MOU with Vietnam on Mineral Exploration

5708. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India and Vietnam have signed Memorandum of understanding to cooperate in areas of mineral exploration, processing and development; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINES (SHRI BALRAM SINGH YADAV): (a) Yes, Sir. A-Memorandum of Understanding (MOU) has been signed between the Ministry of Mines, Government of India and the Ministry of Heavy Industry, Government of the Socialist Republic of Vietnam on 18th April, 1995 for cooperation in the field of Geology and Mineral resources.

(b) The specific areas listed for cooperation in the MOU are:

(i) Mineral Exploration: The Geological Survey of India would offer assistance in different phases of mineral exploration (geophysical and geochemical exploration and drilling) and also provide training for geologists of Vietnam in various geoscience disciplines;

(ii) Mineral Processing and Development: Indian Bureau of Mines would offer assistance in orebody modelling , and assessment of ore reserve using computerised techniques;

(iii) Setting up of an Aluminium Smelter in Vietnam;

(iv) setting up of joint ventures to mine and process mineral resources in Vietnam;

(v) Setting up of a joint venture to explore and develop gold deposit at Pac Lang in Vietnam;

The MOU will be valid for a period of three years and is extendable.

मध्य प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता

5709. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने मध्य प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता का मूल्यांकन करने के लिए कोई सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो उन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जहां यह सर्वेक्षण किया गया है; और

(ग) उक्त राज्य में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध मूल्यवान खनिजों का दोहन करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जाने की संभावना है?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव): (क) और (ख) जी, हां। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और अन्य अभिकरणों द्वारा किए गए सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप, मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न स्थानों में गौण अयस्क/खनिजों का अनुमानित भण्डार निम्न प्रकार है:—

हेमाटाइटिक लौह अयस्क: बस्तर, बेतुल, दुर्ग, श्यालियर, जबलपुर और राजनन्दगांव जिलों में 2539.34 मिलियन टन।

मेगनीज अयस्क: बालाघाट जिले में 35.815 मिलियिन टन।

बाक्साइट: बालाघाट, बस्तर, बिलासपुर, गूना, राजनन्दगांव, जबलपुर, मदला, रायगढ़, रीवा, सतना, शहडोल, शिवपुरी, सीदी, सरगुजा, और बिदिशा जिलों में 277.759 मिलिटन टन।

तांबा: बालाघाट और जबलपुर जिलों में 95.59 मिलियन टन तांबा अयस्क।

स्वर्ण अयस्क: रायपुर जिले में 2 टन अयस्क।

हीरा: पत्ना में 1001164 कैरेट।

मोलिब डेनम: बालाघाट जिले में 8 मिलियन टन अयस्क।

टिन: बस्तर में 28.896 मिलियन टन अयस्क।